

(99)

न्यायालय श्री मान राजस्व मण्डल मंप्र. गवालियर



अरुणदेव कुमार चोरदिया १९४५.
दा वाज दि १४-१२-०७ को प्रस्तुत।

नंगा १९४२-I/०७

बवर सचिव १. श्री मती श्रीभेवास देवी सिंह बेवा पत्नी स्व० श्री लाल कमलेश्वर
राजस्व मण्डल मंप्र. गवालियर, उम्र ८० साल, निवासी रघुराजमार्ग घोघर रीवा जिलारीवामंप्र.

२. अनिल कुमार सिंह,

३. सज्जन सिंह,

४. प्रसन्न सिंह,

५. कमला सिंह,

६. उमा सिंह,

७. कस्ता सिंह,

सभी के पिता स्व० श्री कमलेश्वर सिंह,

सभी निवासी रघुराजमार्ग घोघर रीवा

तहसील हुजूर जिला रीवामंप्र.

निरानी कर्ता गण

बनाम

१. रामाधार सिंह तनय कन्थई सिंह,

२. उभयपाल सिंह तनय राजाराम सिंह,

३. मणिराज सिंह तनय राजाराम सिंह,

४. शोभनाथ सिंह तनय कन्थई सिंह, सभी निवासी ग्राम देवमठ दलदल उपर्याय

टोला, बस स्टेन्ड के पास - तहसील रामपुर बघेलान जिलासतना मंप्र.

५. मंप्र. शासन

गैरनिरानी कर्तागण

पुनरीक्षण विरुद्ध दिक्षीय अपील श्री मान अपर
आयुक्त रीवा संभाग रीवा के प्रकरण क्र० 477अ/
१३-१४ मे पारित आदेश दिनांक २३-१०-०७,
पुनरीक्षण अन्तर्गत धारा ५० मंप्र. भू. ट. सं. १

A.K. Chourasia
14/12/07

५९

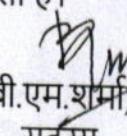
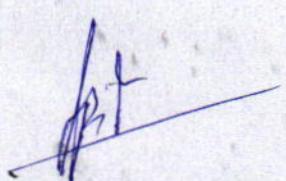
न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी-1942-ए/2007

जिला सतना

श्रीनिवास विरुद्ध रामाधार

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
24-04-2019	<p>आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं। अनावेदक अभिभाषक श्री बीरेन्द्र सिंह उपस्थित। उन्होंने आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र अंतर्गत आदेश 22 नियम 4 दिनांक 24-01-18 को स्वीकार किये जाने के संबंध में आपत्ति प्रस्तुत की है। इस संबंध में अनावेदक ने दिनांक 24-01-18 को मय शपथ पत्र उत्तर प्रस्तुत किया है। जिसका अवलोकन किया गया।</p> <p>प्रकरण का अवलोकन किया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन में लेख किया गया है कि उसे दिनांक 10-07-17 को पेशी में उपस्थित होने पर जब प्रकरण का अवलोकन किया तब आवेदक क्रमांक 4 सोभनाथ की मृत्यु हो चुकी थी। आवेदक का यह कथन इसलिये विश्वसनीय नहीं है, क्योंकि आदेश पत्रिका दिनांक 10-09-16 को यह तथ्य प्रकरण में आ चुका है कि अनोवदक क्रमांक 4 की मृत्यु दिनांक 09-07-16 को हो चुकी है। इसके बावजूद आवेदक का यह कहना कि उसे मृत्यु की जानकारी 10-07-17 को हुई, मान्य नहीं किया जा सकता और न ही किसी आधार पर धारा 5 म्याद अधिनियम का आवेदन मान्य योग्य है। अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आदेश 22 नियम 4 का आवेदन अमान्य किया जाता है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत अपील अनावेदक क्र. 4 के संबंध में उपसमित की जाती है।</p> <p style="text-align: right;"> (बी.एम.शर्मा) सदस्य</p> <p></p>	